an>

Title: Regarding illegal trade of stolen cars in Meerut.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): महोदया, यह स्टेट में हो रहा है, लेकिन स्टेट का मैटर नहीं है। मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ। आपने और सदन ने कमेलों के बारे में सुना होगा, जिसमें पशु कटते हैं। यह मेरठ की बदकिस्मती है कि वहाँ एक स्थान ऐसा है जहाँ अन्य प्रदेशों से चोरी किए गए वाहन काटे जाते हैं और वाहनों के कमेले के नाम से वह स्थान प्रसिद्ध है। राजस्थान से, हरियाणा से, दिल्ली से, पश्चिम उत्तर प्रदेश से वहाँ चोरी के वाहन आते हैं और काट दिए जाते हैं। इन चोरी किए गए वाहनों के द्वारा अपराध होता है। अपराध करने के पश्चात् उनको काट दिया जाता है और इस तरह से प्रमाण भी समाप्त हो जाते हैं। स्थिति यह है कि यह संगठित अपराध के रूप में विकसित होता जा रहा है। पूरा शहर जानता है, आसपास के लोग जानते हैं कि कहाँ पर इस प्रकार कटे हुए वाहनों के पार्ट्स मिल सकते हैं। चोर बाजार नाम से वहाँ पर मार्केट लगती है, लेकिन प्रशासन के लोग कुछ लेकर उन चीजों को देखने से मना कर देते हैं। यह कारोबार इसी ढंग से चल रहा है। स्थिति यह है कि यदि कोई चोरी की रिपोर्ट करता है तो उसको बाकायदा इतना समय दे दिया जाता है कि वाहन इस कमेले में पहुँच जाए और काट दिया जाए।

मेरा आपके माध्यम से यह निवेदन है कि इसमें सरकार हस्तक्षेप करे, अन्यथा संगठित अपराध के रूप में विकसित होकर यह बहुत बड़ी समस्या बन सकता है। इसके ऊपर नियंत्रण किया जाना बहुत आवश्यक है। आपने मुझे अवसर दिया, मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ।